ये अव्यक्त इशारे

अशरीरी व विदेही स्थिति का अभ्यास बढ़ाओ

1-11-2025

अशरीरी बनना अर्थात् आवाज़ से परे हो जाना। शरीर है तो आवाज़ है। शरीर से परे हो जाओ तो साइलेंस। एक सेकेण्ड में सर्विस के संकल्प में आये और एक सेकेण्ड में संकल्प से परे स्वरूप में स्थित हो जायें। कार्य प्रति शारीरिक भान में आयें फिर सेकेण्ड में अशरीरी हो जायें, जब यह ड्रिल पक्की होगी तब सभी परिस्थितियों का सामना कर सकेंगे।

Increase the practice of the bodiless stage (ashariri and videhi)

To become bodiless means to go beyond sound. There is sound when there is the body. Go beyond the body and there is silence. Have thoughts of service for a second and then become an embodiment of one who is beyond any thoughts in a second. Become aware of your body to carry out a task and then become bodiless. When this drill becomes firm, you will be able to face all adverse situations.